भारत के राष्ट्रपति 5-6 मार्च, 2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'महिला जनप्रतिनिधि : सशक्त भारत की निर्माता' विषय संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे

नई दिल्ली, 4 मार्च, 2016: भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी शनिवार, 5 मार्च, 2016 को 10.20 बजे विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "महिला जनप्रतिनिधि : सशक्त भारत की निर्माता" विषय संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति, श्री मोहम्मद हामिद अंसारी; और लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन भी उद्घाटन समारोह में विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री 6 मार्च, 2016 को 12.00 बजे संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में समापन सत्र के दौरान सभा को संबोधित करेंगे। लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन इस समारोह में समापन भाषण देंगी।

लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन की पहल पर आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन में महिला जनप्रतिनिधियों को पहली बार एक ऐसा मंच मिलेगा जहां उन्हें देश के सभी भागों से आई अपनी समकक्ष जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ महिला केन्द्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, संसद सदस्यों, तथा न्यायपालिका और नौकरशाही के क्षेत्रों से जुड़ीं सुप्रसिद्ध महिलाओं के साथ बातचीत करने और उनसे कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। इस सम्मेलन में एक पूर्ण सत्र और निम्नलिखित तीन सत्र होंगेः (एक) सामाजिक विकास में योगदान; (दो) आर्थिक विकास में योगदान; (तीन) सुशासन और विधायन में योगदान। इस सम्मेलन में 300 से अधिक महिला विधायकों, विधानपरिषद सदस्यों, संसद सदस्यों, केन्द्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के भाग लेने की संभावना है।

वरिष्ठ और अनुभवी महिलाओं के साथ संवाद और उनके मार्गदर्शन से महिला विधायकों को विधायी और गैर-विधायी क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका को पूरे ध्यान से और अधिक कारगर ढंग से निभाने में मदद मिलेगी और उनकी कुशलता और योग्यता और अधिक निखरेगी।

इस सम्मेलन में पूरे भारत की महिला जन प्रतिनिधियों को उनसे संबंधित क्षेत्रों के बारे में नवीनतम जानकारी दी जायेगी और जन प्रतिनिधि तथा सामाजिक-आर्थिक प्रगति और परिवर्तन और सुशासन के सशक्त माध्यम की दोहरी भूमिका निभाने के लिए उन्हें उचित दृष्टिकोण, प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस सम्मेलन में उन्हें जन प्रतिनिधियों के रूप में उनके कार्यक्षेत्र के लिए प्रासंगिक समसामयिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के बारे में अद्यतन जानकारी दी जायेगी। इस सम्मेलन से उनकी कुशलता बढ़ेगी जिससे राष्ट्र निर्माण और एक सशक्त और समावेशी भारत का विकास होगा।

भारत की पूर्व राष्ट्रपति, श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील समापन सत्र के दौरान अपने विचार व्यक्त करेंगी।

बांग्लादेश की अध्यक्ष, डॉ. शिरीन चौधरी उद्घाटन सत्र में शामिल होंगी। सुश्री चौधरी पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करेंगी और संसद सदस्य, श्रीमती पूनम महाजन पूर्ण सत्र का संचालन करेंगी। संसद सदस्य, श्रीमती सोनिया गांधी, केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, डॉ. नज़मा हेपतुल्ला और केन्द्रीय विदेश मंत्री, श्रीमती सुषमा स्वराज इस सत्र को सम्बोधित करेंगी।

पूर्व लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती मीरा कुमार 'सामाजिक विकास में योगदान' विषय संबंधी पहले सत्र की अध्यक्षता करेंगी तथा संसद सदस्य, श्रीमती सुप्रिया सुले इस सत्र का संचालन करेंगी। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, श्रीमती मेनका गांधी और केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्रीमती स्मृति ईरानी पैनलिस्ट होंगी।

दूसरे सत्र अर्थात ' आर्थिक विकास में योगदान' विषय संबंधी सत्र की अध्यक्षता गुजरात की मुख्यमंत्री, श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी और संसद सदस्य, श्रीमती कविता के. सत्र का संचालन करेंगी। केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, श्रीमती हरसिमरत कौर बादल और केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्रीमती निर्मला सीतारमन इस सत्र की पैनलिस्ट होंगी।

'सुशासन और विधायन में योगदान' विषय संबंधी तीसरे सत्र की अध्यक्षता दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री, श्रीमती शीला दीक्षित करेंगी और संसद सदस्य, कुमारी सुष्मिता देव सत्र का संचालन करेंगी। केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री, सुश्री उमा भारती; उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश, श्रीमती रंजना देसाई और दिल्ली की पूर्व मुख्य सचिव, श्रीमती शैलजा चंद्रा इस सत्र की पैनलिस्ट होंगी।

सम्मेलन के दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन 6 मार्च, 2016 को संसद भवन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में किया जाएगा।